अशोक चौधरी,
शिक्षा मंत्री, बिहार।

संदेश

कतिपय कारणों से औपचारिक एवं व्यवसायिक शिक्षा की मुख्यधारा से वंचित रह गये छात्र/छात्राओं एवं वयस्कों को विद्यालयी एवं व्यवसायिक शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने **"बिहार मुक्त विद्यालयी शिक्षण एवं परीक्षा बोर्ड"** की स्थापना वर्ष 2011 में की थी।

यह बोर्ड समाज के सभी वर्गो को दूरस्थ एवं मुक्त शिक्षा के माध्यम से बुनियादी शिक्षा से लेकर माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षा प्रदान करता है, विशेष रूप से समाज के सभी प्रकार के अभिवंचित वर्गों के लिए। इसके अतिरिक्त यह बोर्ड अनेक व्यवसायिक विषयों में भी प्रशिक्षण देकर राज्य में रोजगार/स्व–रोजगार के लिए अवसर उपलब्ध कराने हेतु कृत संकल्प है और कई नवाचारी कार्यक्रम बोर्ड के द्वारा गठित कर वर्ग विशेष के लिए भी चलाए जा रहे हैं। बोर्ड ने अपने कार्यकलाप को अधिक स्पष्टता एवं पारदर्शी तरीके से करने हेतु नये वेबसाईट का निर्माण किया है। इस वेबसाईट को किसी उपकरण यथा मोबाईल, टेबलेट, लैपटॉप और डेस्कटॉप से खोला जा सकता है। इसके साथ हीं वेबसाईट को क्लाउड मंच पर डाल दिया गया है ताकि वेबसाईट में ज्यादा डाटा, संचित किया जा सके एवं वेबसाईट सुचारू रूप से चलता रहे।

मेरी शुभकामना है कि आप सभी शिक्षार्थी इस बोर्ड के माध्यम से सुविधानुसार वांछित विद्यालयी शिक्षा एवं व्यवसायिक शिक्षा प्राप्त कर आर्थिक प्रगति की राह पर अग्रसर हों और राज्य के अन्य लोगों को भी इस माध्यम से शिक्षित एवं प्रशिक्षत होने के लिए प्रेरित करें। इससे शिक्षा का प्रकाश राज्य में सर्वत्र फैलेगा और राज्य की जनता शिक्षित एवं सम्पन्न होगी जिससे राज्य भी प्रगति पथ पर आगे बढ़ता रहेगा।

अशोक चौधरी
23/12/20